हुए घाटे का ब्यौरा इस प्रकार है :—

वर्ष	घाटा
	(लाख रु०)
1985–86	1635
1986–87	734
1987–88	596

घाटे का वर्ष वार ब्यौरा इस प्रकार है : (i) दि. प. नि. के पास-धारकों के लिए निजी प्रचालकों को मुआवजे का भुगतान, (ii) किलोमीटर स्कीम के अंतर्गत बसों के निजी प्रचालन के लिए लगाए गए अतिरिक्त कमचारियों को वेतन एवं भत्ते, और (iii) सड़क पर बसों के निजी प्रचालकों द्वारा प्रतिस्पर्द्धात्मक विपणन के कारण राजस्व की हानि।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक की रिपोर्ट में उल्लिखित कमियों को सुव्यवस्थित ढंग से दूर करने हेतु तथा ऐसी कमियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए दि. प. नि. को निर्देश दे दिए गए हैं।

Survey to limit the local Call per three minutes by MTNL, Bombay

1432. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a recent survey by MTNL, Bombay has proved that most of the conversations are less than three minutes; and

(b) if so, whether Government still proposes to limit the local call per three minutes?

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI RAJESH PILOT): (a) Sir, recent study made by MTNL, Bombay on a limited basis showed that about 70 per cent of the local calls are less than 3 minutes duration.

(b) The proposal to limit local calls to three minutes is still under consideration of the Government and no final decision has been taken so far.

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति में सुधार, उनका रख-रखाव और सौंदर्यीकरण

1433. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :** क्या **जल-मूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति में सुधार करने, उनके रख-रखाव और सौन्दर्यीकरण के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं; और

(ख) वर्ष 1991–92 के दौरान इस शीर्ष पर कितनी राशि खर्च किये जाने की संभावना है ?

जल-मूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए सुधार और सुन्दरता संबंधी कार्यों को एक नियोजित तरीके से किया जाता है और यह निधियों की उपलब्धता पर निर्भर करता है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास एक सतत् प्रक्रिया है जिसे उपलब्ध धनराशि के अनुसार प्रतिवर्ष किया जाता है।

(ख) उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए वर्ष 1991–92 के बजट में 60.00 करोड़ रु० का एक प्रावधान है। वर्ष 1991–92 के कुल परिव्यय में से इस समय उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव के लिए 13.59 करोड़ रु. की राशि आवंटित की गई है।